तापमान
अधिकतम 32 .4 डिग्री
न्यूनतम 15 .6 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, शनिवार, 25 अक्टूबर, 2025

11 स्कूल के चारों सदनों ने बेहतर होने का दिया परिचय

12 बाढ़ बचाव प्रबंधों के नाम पर फर्जी कनेक्शन जारी

खबर संक्षेप

तीसरा श्री श्याम वंदना महोत्सव कल

हिसार। श्री श्याम शरणम्-समिति का तीसरा श्री श्याम वंदना महोत्सव 26 अक्टूबर रविवार को सायं 5:15 बजे से पुराना गवर्नमैंट कॉलेज में पूरे श्रद्धाभाव उत्साह के साथ मनाया जाएगा। महासचिव शिव कुमार कंसल ने बताया कि श्री श्याम महोत्सव में सालासर धाम के महाराज अनुज पुजारी का पावन सानिध्य रहेगा। इस कार्यक्रम में अनेक सुप्रसिद्ध कलाकार मुकेश बागड़ा जयपुर, रजनी राजस्थानी जयपुर, नरेश नरसी फतेहाबाद व सुशील अग्रवाल श्याम बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जयप्रकाश सांसद हिसार, सावित्री जिंदल विधायक हिसार, दीपक गर्ग झज्जर वाले उपस्थित होंगे ।

आठ मरला कॉलोनी में सड़कों का निर्माण शुरू

हिसार। वार्ड नंबर 16 स्थित आठ मरला कॉलोनी में नगर निगम द्वारा आरसीसी की सड़कों के निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। वार्ड के पार्षद राजेंद्र कुमार बिड़लान ने पटेल नगर आठ मरला कॉलोनी, चारों धाम पार्क के चारों ओर तथा गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल से चौधरी करियाना स्टोर वाले चौक तक आरसीसी की सड़कों के नव निर्माण का कार्य नारियल तोड़ कर प्रारंभ करवाया। पार्षद राजेंद्र कुमार बिड़लान ने कहा कि सड़कों का निर्माण कार्य शीघ्र ही पूरा हो जाएगा। इस अवसर पर सुरेंद्र बिड़लान, अजय खन्ना, भारत भूषण शर्मा, महेंद्र ठकराल, गौरव नागपाल आदि उपस्थित रहे।

नेहरा खाप का राष्ट्रीय महासम्मेलन एक को

हिसार। एक नवम्बर को हिसार में नेहरा खाप राष्ट्रीय महासम्मेलन आयोजित किया जायेगा। इस महासम्मेलन में देशभर के नेहरावंशी भाग लेंगे। यह जानकारी नेहरा खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सिंचाई एवं शिक्षा मंत्री स्व. जगदीश नेहरा के पुत्र संदीप नेहरा ने दी। हिसार में हुई नेहरा खाप की एक मीटिंग में फैसला लिया गया था कि नेहरा खाप राष्ट्रीय महासम्मेलन 2 नवम्बर को आयोजित किया जायेगा।

अणुव्रत दिवस पर दांतों का चैकअप कैंप लगाया

हिसार। अणुव्रत समिति द्वारा अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्वाधान में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन में अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री तुलसी का जन्मदिन अणुव्रत दिवस पर निःशुल्क दांतों का चैकअप कैंप लगाया गया। कैंप में डॉ. मेघा चावला व उसकी टीम द्वारा दांतों की जांच की गई। विशिष्ट अतिथि डॉड हेमंत आहूजा थे। कार्यक्रम की शुरुआत अणुव्रत गीत से हुई। समिति की तरफ से आए अतिथियों का अणुव्रत पटका व स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया।

सीएंडडी के निस्तारण को लेकर नगर निगम ने बनाई योजना

सीएंडडी वेस्ट उठान के लिए एजेंसियों को स्वीकृति दी जाएगी : निगमायुक्त

बिना स्वीकृति के सीएंडडी वेस्ट उठान करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

नगर निगम क्षेत्र में निर्माण एवं विध्वंस से उत्पन्न होने वाले ठोस कचरे (सीएंडडी) के व्यवस्थित निस्तारण के लिए नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण योजना तैयार की हैं। इस योजना के तहत ऐसी योग्य और सक्षम एजेंसियों का चयन किया जाएगा, जो सीएंडडी वेस्ट को निर्धारित स्थान तक सुरक्षित रूप से पहुंचाने का कार्य करेंगी। इन एजेंसियों को नगर निगम की स्वीकृत सूची में शामिल किया जाएगा ताकि कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके। यदि कोई भी बिना स्वीकृति के सीएंडडी वेस्ट का उठान करता हुआ पाया गया तो नगर निगम उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा।

हिसार । नगर निगम का भवन।

सूचीबद्ध एजेंसियों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया से होगा

निगमायुक्त ने बताया कि सूचीबद्ध एजेंसियों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक एजेंसियों को अपने तकनीकी कौशल, उपकरणों की उपलब्धता, पर्यावरणीय स्वीकृति एवं पूर्व अनुभव से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। निगमायुक्त ने शहरवासियों से अपील की हैं कि सीएंडडी वेस्ट यानि ठोस कचरा उठान के लिए नगर निगम द्वारा स्वीकृति एजेंसी के द्वारा ही उठान करवाए क्योंकि ये सभी नगर निगम द्वारा निर्धारित स्थान पर ही ठोस कचरे का निस्तारण करेंगी।कि निर्माण एवं विध्वंस से उत्पन्न मलबे का समय पर उठान हो और उसे नगर निगम के निर्धारित स्थान सातरोड तक उचित तरीके से पहुंचाया जाए। इससे न केवल शहर में स्वच्छता व्यवस्था में सुधार होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को भी बल मिलेगा। इस व्यवस्था से अवैध रूप से कचरा फेंकने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि एजेंसियों को यह जिम्मेदारी अस्थायी रूप से सौंपी जाएगी, जब तक कि नगर निगम इस कार्य के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं कर लेता।

नीरज, निगमायुक्त।

वार्ड 20 की अग्रसेन कॉलोनी होगी जीरो वेस्ट : डीएमसी

हिसार । क्षेत्रवासियों को संबोधित करते डॉ. प्रदीप हुड्डा।

हिसार। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत अतिरिक्त निगम आयुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा की अध्यक्षता में वार्ड नंबर 20 स्थित अग्रसेन कॉलोनी को जीरो वेस्ट क्षेत्र घोषित करने के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई। बैठक में कॉलोनीवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया और हर घर में तीन डस्टबिन रखने की अपील की गई, ताकि गीले, सूखे और खतरनाक कचरे को अलग-अलग एकत्र किया जा सके। इसके साथ ही लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने और पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने का आग्रह किया गया। डॉ. हुड्डा ने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक जिम्मेदारी से कचरा प्रबंधन में सहयोग करे तो अग्रसेन कॉलोनी जल्द ही जीरो वेस्ट कॉलोनी का उदाहरण बनेगी। इस अवसर पर पार्षद नवीन, सीएसआई राजकुमार, टेक्निकल एक्सपर्ट जसवीर कुंडू, सीटीएल प्रदीप जाखड़, आईईसी एक्सपर्ट हरिराम और एएसआई कपिल भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कॉलोनी वासियों से स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

अवैध रूप से कचरा फेंकने की प्रवृत्ति पर लगेगी रोक

निगमायुक्त नीरज ने बताया कि कार्य का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्माण एवं विध्वंस से उत्पन्न मलबे का समय पर उठान हो और उसे नगर निगम के निर्धारित स्थान सातरोड तक उचित तरीके से पहुंचाया जाए। इससे न केवल शहर में स्वच्छता व्यवस्था में सुधार होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को भी बल मिलेगा। इस व्यवस्था से अवैध रूप से कचरा फेंकने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि एजेंसियों को यह जिम्मेदारी अस्थायी रूप से सौंपी जाएगी, जब तक कि नगर निगम इस कार्य के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं कर लेता।

डॉ. अनिका मलिक को मिला किसान-नेतृत्व विस्तार पुरस्कार

लुवास संकाय ने राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया विश्वविद्यालय का मान

हिसार। डॉ. अनिका मलिक को बधाई देते कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

लुवास में सहायक प्रोफेसर हैं डॉ. अनिका मलिक

लाला लाजपत राय पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) ने राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर अपना परचम लहराया है। मध्य प्रदेश के महू स्थित नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में सोसाइटी फॉर वेटरनरी एंड एनिमल हसबेंडरी एक्सटेंशन (एसवीएएचई) द्वारा आयोजित 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन में लुवास की सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिका मलिक को 'किसान-नेतृत्व विस्तार पुरस्कार (महिला)' से सम्मानित किया गया। यह राष्ट्रीय सम्मेलन 'पशुधन और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए विस्तार रणनीतियों का एकीकरण' विषय पर आयोजित हुआ।

प्रभावी शोध-प्रस्तुति दी

डॉ. अनिका मलिक, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विस्तार शिक्षा विभाग की संकाय सदस्य हैं। उन्होंने सम्मेलन में 'हरियाणा में एकीकृत कृषि प्रणाली: एक आकलन अध्ययन' विषय पर प्रभावी शोध-प्रस्तुति दी। सम्मान प्राप्ति के उपरांत शुक्रवार को महाविद्यालय के डीन डॉ. मनोज रोज, विभागाध्यक्ष डॉ. गौतम एवं अनिका मलिक ने कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा से मुलाकात की। कुलपति ने इस उपलब्धि के लिए डॉ. अनिका को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है और इससे विस्तार शिक्षा के क्षेत्र में लुवास की पहचान और अधिक मजबूत हुई है।

आभार जताया

डीन डॉ. मनोज रोज और विभागाध्यक्ष डॉ. गौतम ने कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग आगे भी किसानों को वैज्ञानिक तकनीक, प्रशिक्षण एवं नवाचार आधारित विस्तार सेवाएं उपलब्ध कराने के अपने प्रयासों को और सुदृढ़ रूप से जारी रखेगा।

गुजवि में साप्ताहिक 'कॉर्प कनेक्ट वीक' का आयोजन

प्रतिभागी 12 प्रमुख औद्योगिक स्थानों की 70 से अधिक कंपनियों का करेंगे दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने 'कॉर्प कनेक्ट वीक' नामक एक सप्ताह भर चलने वाली पहल का आयोजन किया। इसका उद्देश्य शैक्षणिक-उद्योग संबंध को मजबूत करना और छात्रों को वास्तविक कॉर्पोरेट परिवेश से परिचित कराना था। इस अनूठी अनुभवात्मक शिक्षण पहल में कुल 47 छात्रों और 25 संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निदेशक (प्लेसमेंट) डॉ. प्रताप सिंह ने बताया कि सप्ताह के दौरान, प्रतिभागियों ने प्रतिदिन दो टीमों में यात्रा की और रोहतक, बहादुरगढ़, सोनीपत, मानेसर, बावल, भिवाड़ी, धारूहेड़ा, गुरुग्राम, बल्लभगढ़, पलवल, फरीदाबाद और बद्दी सहित 12 प्रमुख औद्योगिक स्थानों की 70 से अधिक कंपनियों का दौरा किया।

हिसार । कॉर्प कनेक्ट सप्ताह गतिविधियों में भाग लेने वाली गुजवि के विद्यार्थियों की टीम।

इन कंपनियों से बातचीत

आने वाली टीमों ने अमूल, लोटे इंडिया, योकोहामा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ऊनो मिंडा, बिकानो, सुबोस, परफेटी वैन मेले, वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज, मारेली, सेंट-गोबेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जैसी कई प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ बातचीत की। लिमिटेड, रिलैक्सो फुटवियर्स, केईआई इंडस्ट्रीज, ल्यूमैक्स, जेसीबी इंडिया लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू एमआई स्टील, मास्टरकार्ड, ऑर्किड मेडलाइफ प्राइवेट लिमिटेड और एसएंडपी ग्लोबल जैसी कई कंपनियाँ उपरोक्त औद्योगिक समूहों में फैली हुई हैं। इन संगठनों ने ऑटोमोटिव, एफएमसीजी, पैकेजिंग, प्रिंटिंग, फार्मास्यूटिकल्स, आईटी और वित्तीय सेवाओं सहित विविध क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया और प्रतिभागियों को व्यापक अनुभव और शिक्षा प्रदान की।

समस्याओं का समाधान नहीं होने पर कर्मियों का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

फील्ड कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की मांग

सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की पब्लिक हेल्थ ब्रांच हिसार ने फील्ड कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की मांग पर उपमंडल अभियंता नंबर 1 कार्यालय के समक्ष सांकेतिक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता ब्रांच प्रधान दीपक लोट ने की व संचालन ब्रांच सचिव राकेश वशिष्ठ ने किया। ब्रांच प्रधान दीपक लोट व सचिव राकेश शर्मा ने बताया कि उक्त अधिकारी लगातार कार्यालय से नदारद है। फील्ड कर्मचारियों को जलघर के सुचारू क्रियान्वयन के लिए सामान उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा है। साथ ही फील्ड कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। ईएसआई की त्रुटियां ठीक नहीं करवाई जा रही हैं, डांगरी उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है, जलघर पर मूलभूत सुविधाओं की कोई व्यवस्था नहीं है। कर्मचारियों से बिना समय सीमा के लगातार करने पर मजबूर किया जा रहा है।

हिसार । प्रदर्शनकारी कर्मचारियों को संबोधित करते यूनियन पदाधिकारी।

इन्होंने किया संबोधित

विरोध प्रदर्शन को यूनियन के राज्य कमेटी के नेता दीपक शर्मा, जिला प्रधान ओमप्रकाश मॉल, जिला सचिव दीपक मेहरा, जिला चेयरमैन नरेश गौतम, ब्लॉक प्रधान राजेश बागड़ी, सुनील लाडवा, विकास गोस्वामी, पवन शर्मा, अशोक शर्मा, बृजलाल, त्रिलोक सैनी, सनी, विक्रम नागर, अमन व किसान नेता अभय राम फौजी आदि ने भी संबोधित किया।

चोरी के दो मामलों में आरोपी गिरफ्तार

- चोरीशुदा ई रिक्शा और 12 लेडीज शूट बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

पुलिस ने चोरी के दो मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरीशुदा ई रिक्शा और 12 लेडीज शूट बरामद किए है। थाना शहर पुलिस ने 22 अक्टूबर को क्लॉथ मार्केट स्थित कपड़े की दुकान से लेडीज शूट चोरी के मामले में आरोपी अंबेडकर बस्ती निवासी संदीप को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से 12 चोरीशुदा सूट बरामद किए है।

- दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा

इसके साथ ही थाना एचटीएम पुलिस ने 30 सितंबर की रात में योग नगर हिसार से ई रिक्शा चोरी के मामले में जींद के खोखरी निवासी रवि को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से चोरीशुदा ई रिक्शा बरामद की है। उपरोक्त दोनो आरोपियों को पूछताछ के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अवैध हथियार सहित एक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

जिला भर में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान स्पेशल स्टाफ पुलिस ने अवैध पिस्तोल रखने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान भिवानी जिले के गांव भुरटाना निवासी रोहित के रूप में हुई है।

स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस को गश्त पड़ताल के दौरान सूचना मिली थी कि एक युवक थोड़ी देर में चैनत से खरकड़ी गांव की ओर अवैध हथियार लेकर जा रहा है। सूचना के आधार पर स्पेशल स्टाफ पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए टीम का गठन कर चैनत से खरकड़ी जाने वाले रोड़ पर पहुंचकर सूचना अनुसार बताए गए व्यक्ति को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक अवैध देसी पिस्तोल बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि युवक के पास मिली अवैध पिस्तोल को कब्जा पुलिस में लेकर उसके खिलाफ थाना सदर हांसी में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश करके एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी और वह यह अवैध पिस्तौल कहां से लेकर आया और किसको सप्लाई करना था के बारे में जानकारी हासिल की जाएगी।

ट्रैडिंग के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले दो गिरफ्तार

- नारनौंद निवासी रितू से 93,400 रुपये की धोखाधड़ी की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

साइबर क्राइम थाना पुलिस ने ट्रैडिंग के नाम पर 93,400 रुपये की धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राजस्थान के चुरू जिला के गांव खारिया बाड़ा निवासी सुनील व श्याम सुन्दर उर्फ गोपी के रूप में हुई है।

एएसआई रामबिलास ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने कुछ दिन पहले नारनौंद निवासी रितू से ट्रैडिंग के नाम पर 93,400 रुपये की धोखाधड़ी की थी। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों को आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके के कब्जे से 27,000 हजार रुपये बरामद कर कब्जा पुलिस में लेकर दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जिंदल सरोवर में मनाए जाने वाले चार दिवसीय छठ महापर्व की सभी तैयारियां पूरी

नहाय खाय के साथ छठ महापर्व का आगाज आज, कल होगा खरना

28 अक्टूबर को प्रातः उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व का समापन किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

पूर्वांचल जन कल्याण संगठन समिति के तत्वाधान में जिंदल पार्क, मिल गेट स्थित जिंदल सरोवर में मनाये जाने वाले चार दिवसीय छठ महापर्व की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। लोक आस्था का छठ महापर्व 25 अक्टूबर को प्रातः नहाय खाय के साथ शुरु हो जाएगा। अनुष्ठान के दूसरे दिन 26 अक्टूबर को खरना करेंगे। 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को त्रिवेणी के जल से अर्घ्य दिया जाएगा। 28 अक्टूबर को प्रातः उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व सम्पन्न हो जाएगा। समिति के महासचिव आचार्य मुरलीधर पाण्डेय व कोषाध्यक्ष आचार्य शिवपूजन मिश्र ने बताया कि सरोवर के चारों ओर चार गेट बनाए जाएंगे। चारों वेदों ऋगवेद, यजुर्वेद, सामवेद व अर्थववेद के नाम पर गेट के नाम रखे जाएंगे। चारों गेटों पर चार कुण्ड स्थापित किये जाएंगे और इन कुण्डों पर चार-चार-यजमान बैठेंगे। महापर्व पर होने वाले हवन-यज्ञ में मुख्य यजमान के रुप में समाजसेवी सुशील सोनी, ऋषि नगर वाले उपस्थित होंगे। छठ महापर्व के दिन 27 अक्टूबर को सायं 4 बजे पूर्व मंत्री एवं विधायक सावित्री जिंदल मुख्यातिथि के रुप में भाग लेंगी। अध्यक्षता डॉ. राधेश्याम शुक्ल करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रुप में केबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा व समाजसेवी प्रेम प्रकाश बिश्नोई, जगान वाले उपस्थित होंगे। समिति के प्रधान विनोद साहनी ने बताया कि सवा क्विंटल सामग्री से छठी मैय्या का श्रृंगार होगा। पर्व के दिन 11 लाख ज्योतों से छठ मैय्या की आरती होगी।

हिसार । जिंदल पार्क में सरोवर के पास छठी मैय्या की मूर्ति को सजाते हुए पूर्वांचल समिति के सदस्य।

छठ में नहाय-खाय का विशेष महत्व

आचार्य शिवपूजन मिश्र ने बताया कि छठ महापर्व में नहाय-खाय का विशेष महत्व है। 25 अक्टूबर शनिवार को दिन व्रती अपने शरीर, वस्त्र एवं घर की शुद्धता का विशेष ध्यान रखते हैं। प्रातः से ही व्रतियों के गंगातट या सरोवर पर नहाने का सिलसिला शुरु हो जाता है। सरोवरों में स्नान करने के बाद भगवान सूर्य को जल अर्पित करेंगे। उसके बाद घरों में व्रतियों के लिए भोजन बनेगा। भोजन में अरवा चावल, चने की दाल एवं कद्दू की सब्जी बनाई जाएगी। व्रतियों के प्रसाद ग्रहण करने के बाद ही परिवार के अन्य लोग भोजन करेंगे। 26 अक्टूबर रविवार को दिनभर उपवास रहकर सायंकाल सूर्य भगवान को पूजा करके खीर और पूरी का भोग लगाकर अपने घरों में हवन करेंगे। 27 अक्टूबर को दिन भर अन्न-जल ग्रहण नहीं करेंगे।

शंख ध्वनि से शुरू होगा छठ महापर्व

समिति के महासचिव आचार्य मुरलीधर पाण्डेय व कोषाध्यक्ष आचार्य शिवपूजन मिश्र ने बताया कि 27 अक्टूबर सोमवार को प्रातः 6 बजे शंख ध्वनि के साथ महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक घाट पूजन एवं घाट संरक्षण का कार्यक्रम चलेगा। 12 बजे से दोपहर बाद 2 बजे तक सवा क्विंटल गन्ना, फूलमाला एवं छठ माता का श्रृंगार किया जाएगा। 2 बजे से सूर्य षष्ठी महायज्ञ प्रारंभ किया जाएगा। सूर्य संहिता के विशेष मंत्रों द्वारा आचार्य सुरेश प्रसाद मिश्र की देखरेख में सूर्य षष्टी महायज्ञ होगा जिसमें कांशी, अयोध्या, वृंदावन, हरिद्वार से आए हुए विद्वानों द्वारा आदित्य हृदय स्तोत्र तथा सूर्य संहिता के विशेष मंत्रों द्वारा हवन एवं पाठ किया जाएगा। इसके लिए चारों दिशा में चार कुंड बनाए जाएंगे।

26 अक्टूबर को व्रती करेंगे खरना

रविवार को व्रती गंगा एवं अन्य जलाशयों में स्नान करने के बाद भगवान सूर्य को जल अर्पित करेंगे। सायंकाल के समय घरों में हवन एवं पूजा-पाठ करेंगे। खरना का प्रसाद मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से साठी-चावल दूध और गुड़ से तैयार किया जाएगा। प्रसाद को सूर्य देव को भोग लगाकर ग्रहण किया जाएगा। इसके बाद रविवार को पूरा दिन व रात अन्न-जल ग्रहण नहीं करेंगे।

पॉलीथिन या प्लास्टिक का प्रयोग न करने की अपील

पूर्वांचल जन कल्याण संगठन समिति ने आने वाले लोगों से विशेष अनुरोध किया है कि छठ पूजा के लिए जो भी सामग्री लाई जाए, वह कपड़े में बांधकर या कपड़े के थैले में डालकर लाएं, प्लास्टिक का किसी भी रूप में प्रयोग न करें।

कचरा प्लांट पर पहुंचे निगम कमिश्नर

हिसार। नगर निगम कमिश्नर नीरज अधिकारियों के साथ ढंढूर स्थित कचरा प्लांट पर पहुंचे। उन्होंने लीगेसी वेस्ट के प्रोसेसिंग के कार्यों में देरी पर दोनों एजेंसियों को फटकार लगाई। कमिश्नर नीरज ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि दोनों एजेंसियों से कार्य की स्पीड बढ़वाएं।

यहां यह बता दें कि लीगेसी वेस्ट के प्रोसेसिंग में डिंग मैन पावर व करणी कॉरपोरेशन काम कर रही है। दोनों एजेंसियों का करीब 35 हजार मीट्रिक टन कचरा बिना प्रोसेसिंग के पड़ा हुआ है। कमिश्नर ने एजेंसियों को अतिरिक्त मशीनरी लगाकर प्रोसेसिंग का कार्य जल्द से जल्द कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एक्सईएन जयवीर डूडी, जेई राधेश्याम, डिंग मैन पावर व करणी कारपोरेशन के सुपरवाइजर मौजूद रहे।

मगरमच्छ अपनी जीभ बाहर नहीं निकाल सकते।

चमगादड़ एकमात्र स्तनधारी हैं जो उड़ सकते हैं।

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

प्रयोगशाला शिक्षक बन चमकाएं अपना करियर

कौन होता है प्रयोगशाला शिक्षक

प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं में जो प्रयोगशाला होती है। उन प्रयोगशालाओं में अध्यापक के तौर पर प्रैक्टिकल करवाने वाले उम्मीदवार को कहा जाता है। प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं यानी कि 10वीं 11वीं और 12वीं कक्षाओं में जो विज्ञान वर्ग के विषयों में प्रैक्टिकल करवाने का काम करते हैं, उनको कहा जाता है। प्रयोगशाला अध्यापक लैब में विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल करके हर चीज सिद्धांत के साथ समझाते हैं। विज्ञान विषय में प्रैक्टिकल काफी महत्वपूर्ण होता है। विज्ञान की थ्योरी पढ़ने के साथ-साथ प्रैक्टिकल के माध्यम से उस रिएक्शन और गतिविधि के बारे में संपूर्ण जानकारी विद्यार्थी लेते हैं और यह जानकारी देने का काम लैब टीचर करता है।

जरूरी योग्यताएं

जो विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर बनने का सपना देख रहे हैं। और प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए मेहनत कर रहे हैं। उन विद्यार्थियों को सबसे पहले लैब टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता को पूरा करना होगा योग्यता को पूरा करके ही आप प्रयोगशाला टीचर की भर्ती में आवेदन लगा सकते हैं और टीचर बनने के सपने को पूरा कर सकते हैं। प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- उम्मीदवार 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास किया हुआ होना अनिवार्य है।
- उम्मीदवार को उच्च शिक्षा के तौर पर आगे ग्रेजुएशन और मास्टर ग्रेजुएशन करना जरूरी है।
- बीएड की डिग्री हासिल करें।

करने होते हैं ये कार्य

प्रयोगशाला टीचर के कार्य कि यदि बात की जाए तो प्रयोगशाला टीचर शब्द से ही यह अंदाजा लगाया जा सकता है, कि ऐसा अध्यापक जो प्रयोगशाला में होने वाली गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में अपनी मदद करता है। प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को नए नए प्रयोग सिखाने और उनके बारे में जानकारी देने में प्रयोगशाला टीचर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यार्थियों को विज्ञान की कई प्रकार की रियक्शन और गतिविधियों से अवगत करवाता है। प्रयोगशाला टीचर विद्यार्थियों को प्रयोग सिखाता है और लैब की परीक्षाओं में एग्जाम करवाने का काम भी करता है।

कैसे बनें

प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास करनी होगी। विज्ञान वर्ग के साथ जो विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास कर लेता है। उसको नीचे दिए गए निम्नलिखित चरणों को फॉलो करते हुए आगे बढ़ना होगा।

ग्रेजुएशन पूरा करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है। ग्रेजुएशन विज्ञान वर्ग से संबंधित होना अनिवार्य है। ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम 50% अंक के साथ पास करना काफी महत्वपूर्ण रहता है।

बीएड की डिग्री हासिल करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है।

मास्टर डिग्री यानी की पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा करें : ग्रेजुएशन और बीएड की डिग्री लेने के पश्चात उम्मीदवार को पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेनी होती है। पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेने पर विद्यार्थी किसी भी एक विषय में मास्टर डिग्री हासिल कर लेता है और उस विषय से संबंधित प्रयोगशाला शिक्षक बनने के लिए योग्य भी हो जाता है। मास्टर डिग्री लेने वाले उम्मीदवार को अब आने वाली प्रयोग शाला शिक्षक भर्ती में आवेदन करने के लिए योग्यता मिल जाती है।

प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन करें : लैब टीचर बनने के लिए उम्मीदवार को सरकार के द्वारा नियमित तौर पर निकाले जाने वाली प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। हालांकि जो विद्यार्थी प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर बनना चाहता है। उस विद्यार्थी के लिए किसी भी भर्ती में आवेदन लगाने की जरूरत नहीं है। विद्यार्थी डिग्री कंप्लीट करने के बाद सीधा किसी भी प्राइवेट विद्यालय में ज्वाइन होकर प्रयोगशाला टीचर पद पर कार्यरत हो सकता है। लेकिन सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। जब विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन लगाता है। तो विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर की सेलेक्शन प्रक्रिया से गुजरते हुए इस पद को हासिल करना होता है।

कितनी होती है सैलरी : प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर को 15,000 से 25,000 तक की सैलरी मिल जाती है। प्राइवेट विद्यालय में यह सैलरी कोई फिक्स नहीं है। उच्च स्तरीय प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर की सैलरी 50,000 तक भी हो सकते हैं। सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के बाद उम्मीदवार की सैलरी की बात की जाए तो उम्मीदवार को शुरुआत में 40,000 तक की सैलरी मिलती है और 2 साल की अवधि पूरी होने के बाद उम्मीदवार को पहला प्रमोशन मिलता है। उसके बाद उम्मीदवार को 50,000 से 70,000 की सैलरी और ग्रेड पे के साथ-साथ अन्य कई प्रकार के सरकारी भत्ते की सुविधाएं भी मिलती है।

कैंसर उपचार की रीढ़ है रेडियोथेरेपी, मरीजों की आशा की किरण

जन सेवा के साथ करियर का बेहतरीन विकल्प 'रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट'

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी (B.Sc in Radiotherapy Technology) जन सेवा के साथ युवाओं को करियर का बेहतरीन विकल्प उपलब्ध करवा रही है। यह तकनीक जहां कैंसर के मरीजों में आशा की किरण है, वहीं मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले युवाओं को कामयाब होने के रास्ते दिखा रही है। इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है जो उनकी नौकरी की उम्मीदों को पंख दे सकता है। इसलिए युवा यह कोर्स कर अपने करियर को आसमान की बुलंदियों पर ले जा सकते हैं। आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते कैंसर मामलों ने रेडिएशन थेरेपी की मांग को तेजी से बढ़ाया है। कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और इसे सफलतापूर्वक देने वाले एक्सपर्ट रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी कोर्स युवाओं के लिए मेडिकल क्षेत्र में एक उत्कृष्ट करियर विकल्प बन चुका है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में जहां एक ओर डॉक्टर और ऑन्कोलॉजिस्ट का योगदान अहम होता है। वहीं, रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट पर्दे के पीछे से तकनीकी रूप से उपचार को सटीक और प्रभावी बनाते हैं। इनका कार्य रोगी के जीवन से सीधा जुड़ा होता है, इसलिए यह क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक ज्ञान बल्कि मानवीय संवेदनाओं से भी परिपूर्ण है।

क्या है रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में उपयोग की जाने वाली रेडिएशन मशीनों को ऑपरेट करते हैं। ये प्रोफेशनल्स डॉक्टरों के निर्देश पर रोगी को सटीक मात्रा में विकिरण देते हैं, जिससे ट्यूमर को नष्ट किया जा सके और स्वस्थ ऊतकों को नुकसान न पहुंचे। आज के समय में रेडिएशन तकनीक अत्याधुनिक हो चुकी है जैसे रैखिक त्वरक (एलआईएनएसी), ब्रैकीथेरेपी, साइबरनाइफ और गामा नाइफ जैसी मशीनें, जिनके संचालन के लिए विशेष प्रशिक्षण आवश्यक होता है। रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका केवल मशीन चलाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे रोगी की सुरक्षा, मशीन की मेंटेनेंस और रेडिएशन डोज की सटीक गणना जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्यों में भी शामिल होते हैं।

बढ़ते कैंसर मरीजों के कारण बढ़ी डिमांड

कोर्स की ये हैं जरूरी योग्यताएं

इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र को 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी/मैथ्स) न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना चाहिए। सरकारी संस्थानों में केवल प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही दाखिला होता है। इसके लिए आप पहले कोचिंग भी ले सकते हैं। कई निजी संस्थान भी यह कोर्स संचालित कर रहे हैं, लेकिन छात्रों को संस्थान चुनते समय उसकी मान्यता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके बाद ही संस्थान का चुनाव करें। चूंकि यह कोर्स तकनीकी और मरीजों के सीधे संपर्क से जुड़ा है, इसलिए व्यवहारिक ज्ञान इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर ध्यान रखना जरूरी है।

साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स

बीएससी इन रेडियोथेरेपी एक साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स है, जिसमें क्लासरूम टीचिंग, लैब ट्रेनिंग और हॉस्पिटल इंटर्नशिप शामिल होती है। अंतिम वर्ष में विद्यार्थियों को रेडिएशन विभाग में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे वे वास्तविक मरीजों के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त कर सकें। कुछ संस्थानों में छात्रों को प्रोजेक्ट कार्य, केस स्टडीज और वर्कशॉप्स के माध्यम से रिसर्च का भी अवसर मिलता है। इस दौरान उन्हें न केवल तकनीकी स्किल, बल्कि रोगियों के प्रति सहानुभूति और मानसिक मजबूती जैसे गुण भी विकसित करने पर बल दिया जाता है।

काम करके मिलता सुकून

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें न केवल करियर की स्थिरता और उन्नति है, बल्कि कैंसर पीड़ितों की जिंदगी को बचाने का सुकून भी शामिल है। यह विज्ञान और मानवीय सेवा का सुंदर संगम है। यदि आप मेडिकल क्षेत्र में टेक्निकल एक्सपर्ट बनने के साथ समाज सेवा का जज्बा भी रखते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए उपयुक्त विकल्प हो सकता है। आने वाले वर्षों में जैसे-जैसे भारत में कैंसर उपचार सुविधाएँ बढ़ेंगी, वैसे-वैसे रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी।

कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की भूमिका सबसे कारगर, B.Sc in Radiotherapy Technology कोर्स युवाओं को दे रहा करियर बनाने का शानदार मौका

कोर्स करने के लिए प्रमुख संस्थान

1. पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक (पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रोहतक)
2. पी.जी.आई. चंडीगढ़ (पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़)
3. एस.एम.एस. जयपुर (सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर)
4. बी.एच.यू. वाराणसी (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी)
5. जिपमर पुडुचेरी (जवाहरलाल इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी)
6. एम्स दिल्ली (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली)
7. सी.एम.सी. वेल्लोर (क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर)

(नोट : इन संस्थानों से डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र देश-विदेश में उच्च पदों पर कार्यरत हैं और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में भारत की पहचान बना रहे हैं।)

यह मिल सकता है वेतन

शुरुआत में रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट का वेतन 30,000 रुपये से 45,000 रुपये प्रतिमाह तक हो सकता है। अनुभव के साथ और सरकारी अस्पतालों या प्रतिष्ठित संस्थानों में यह वेतन 60,000 रुपये से 80,000 रुपये प्रति माह तक भी पहुंच सकता है। विदेशों में यह प्रोफेशन और भी अधिक सम्मानजनक और उच्च वेतन वाला माना जाता है। साथ ही, जैसे-जैसे नई तकनीकें आ रही हैं जैसे आईएमआरटी-तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडिएशन थेरेपी, आईजीआरटी-इमेज गाइडेड रेडिएशन थेरेपी, एसआरएस/एसआरटी-स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी/स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी, एसबीआरटी-स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडिएशन थेरेपी आदि इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वालों की मांग और बढ़ रही है। निजी स्वास्थ्य संस्थान अब योग्य रेडिएशन टेक्नोलॉजिस्ट को आकर्षक वेतन पैकेज दे रहे हैं।

यहां नौकरी के अवसर

रेडियोथेरेपी कोर्स के बाद छात्र निम्न संस्थानों में नौकरी कर सकते हैं।

- कैंसर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स
- मेडिकल कॉलेज व रिसर्च सेंटर
- प्राइवेट डायग्नोस्टिक और रेडिएशन यूनिट्स
- सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रमों के तहत
- अंतरराष्ट्रीय हेल्थकेयर संगठनों में
- इसके अतिरिक्त, अनुभवी टेक्नोलॉजिस्ट रिसर्च, हेल्थ एजुकेशन, मेडिकल इक्विपमेंट कंपनियों या हेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में भी अपना करियर बना सकते हैं।

हर नया दिन आपको सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने का देता मौका

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

छात्र जीवन एक ऐसी यात्रा है जो चुनौतियों, अवसरों और भविष्य को आकार देने वाले पलों से भरी होती है। हर नया दिन आपके सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने और सफलता की ओर बढ़ने का एक मौका देता है। यह पल आपके लिए है अपनी ऊर्जा को संजोने, अपने मन को एकाग्र करने और अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करने का समय। यह व्याकुलता का नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चय का समय है वर्तमान को थामने और उज्जवल भविष्य को गढ़ने का अवसर। छात्रों को अक्सर पढ़ाई, व्यक्तिगत विकास और तेजी से बदलती दुनिया की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने का भारी दबाव झेलना पड़ता है। हतोत्साहित होना या अपने लक्ष्यों से भटक जाना स्वाभाविक लग सकता है। लेकिन हर सुबह, हर बीतता क्षण, आपके सपनों के प्रति फिर से समर्पित होने का आह्वान है।

सोचे-समझे कदमों से करें शुरुआत

दिन के ये शुरुआती पल रचनात्मकता और मेहनत के लिए एक खुला कैनवास हैं। सोशल मीडिया, आत्म-संदेह या आलस्य जैसे व्याकुलताओं के आगे झुकने के बजाय, इस समय को अपनी प्रेरणा को बढ़ाने और अपनी ऊर्जा को सार्थक कार्यों में लगाने के लिए उपयोग करें। जैसा कि एक प्रेरक हिंदी कथन कहता है कि सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है। यह उद्धरण इस पल को थामने के सार को दर्शाता है। सुबह का यह समय, जब दुनिया संभावनाओं से भरी जाग रही होती है, आपके लिए एक नई शुरुआत है। आपकी मेहनत, आपके प्रिय सपनों के साथ मिलकर, आपको आगे बढ़ा सकती है। चाहे आप परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हों, या अपनी रुचियों को खोज रहे हों, यह वह समय है जब आपको पूरे उद्देश्य के साथ कार्य करना है। रचनात्मकता एक छात्र के रूप में आपकी सबसे बड़ी ताकत है। यह केवल किताबी ज्ञान या तथ्यों को रटने तक सीमित नहीं है; यह नए दृष्टिकोण अपनाने, अनोखे समाधान खोजने और चुनौतियों को रचनात्मक ढंग से हल करने के बारे में है। लेकिन व्याकुलताएं रचनात्मकता की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। वे आपका ध्यान भटकाती हैं और उस ऊर्जा को कमजोर करती हैं जिसे आप सीखने और विकास में निवेश कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों को क्षणिक प्रलोभनों से ऊपर रखकर, आप अपने भविष्य को आकार देने की शक्ति को फिर से हासिल करते हैं। इस पल का अधिकतम लाभ उठाने के लिए, छोटे-छोटे, सोचे-समझे कदमों से शुरुआत करें। दिन के लिए स्पष्ट और प्राप्य लक्ष्य बनाएं, अपने कार्यों को छोटे हिस्सों में बांटें और अपनी हर छोटी उपलब्धि का उत्सव मनाएं।

हर सफल व्यक्ति एक छात्र

अपने चारों ओर सकारात्मकता लाएं -चाहे वह प्रेरक दोस्त हों, मार्गदर्शक शिक्षक हों, या एक शांत स्थान जो आपके विचारों को उड़ान दे। याद रखें, हर सफल व्यक्ति कभी एक छात्र था, जिसने हार नहीं मानी, जिसने सुविधा के बजाय संघर्ष को चुना, और जिसने हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखा। सुबह का यह समय आपके सपनों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता का प्रतीक बने। दुनिया आपके अनोखे योगदान, आपके विचारों और आपकी दृढ़ता की प्रतीक्षा कर रही है। इस पल को अपनाएं, अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करें और अपने लक्ष्यों की ओर साहसपूर्वक कदम बढ़ाएं। एक छात्र के रूप में आपकी यात्रा केवल मंजिल तक पहुंचने की नहीं है यह उस रास्ते में अपने सर्वश्रेष्ठ स्वरूप को खोजने की है। तो, उठें, कर्म करें और हर क्षण को अमूल्य बनाएं।

खुद पर भरोसा करो, क्योंकि तुम्हारी ताकत तुम्हारे भीतर छिपी है

आत्मविश्वास सफलता की नींव है। यह उद्धरण छात्रों को अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने और उसका उपयोग करने के लिए प्रेरित करता है। जब आप खुद पर विश्वास करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं लगता। छात्र जीवन एक ऐसी अवस्था है जहां हर दिन एक नया सबक लाता है। इन प्रेरणादायक उद्धरणों को अपने साथी बनाएँ और हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखें। जैसा कि पहले उद्धरण में कहा गया, "सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है।" इस पल को थामें, अपने भीतर की रचनात्मकता और जुनून को जगाएं, और अपने सपनों की ओर बढ़ते रहें। आपमें वह शक्ति है जो आपको दुनिया की ऊंचाइयों तक ले जा सकती है बस उस पर विश्वास करें और कदम बढ़ाएं।

सामान्य ज्ञान

1. यंग प्रत्यास्थायता गुणांक का एसआई मात्रक है
(ए) डाइन/सेमी.
(बी) न्यूटन/मी.
(सी) न्यूटन/मी.^{2}
(डी) मी.^{2}/से.

2. निम्नलिखित युग्मों में से किन भौतिक राशियों के सामान विमीय सूत्र नहीं है ?
(ए) बल एवं दाब
(बी) कार्य एवं उर्जा
(सी) आवेग एवं संवेग
(डी) भार एवं बल

3. एक खगोलीय इकाई संबंधित है -
(ए) सूर्य एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(बी) चन्द्रमा एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(सी) सूर्य, चन्द्रमा के बीच की दूरी से
(डी) उपरोक्त में से कोई नही

4. निम्नलिखित में से कौन-सी अविमीय राशि है ?
(ए) विकृति
(बी) श्यानता गुणांक
(सी) गैस नियतांक
(डी) प्लांक नियतांक

5. निम्नलिखित में से कौन एक सदिश राशी नही है
(ए) संवेग
(बी) वेग
(सी) कोणीय वेग
(डी) द्रव्यमान

6. अदिश राशी है
(ए) उर्जा
(बी) बल आघूर्ण
(सी) संवेग
(डी) उपरोक्त सभी

7. निम्नलिखित में से कौन सी एक सदिश राशी है
(ए) संवेग
(बी) दाब
(सी) उर्जा
(डी) कार्य

8. निम्नलिखित में से कौन सी राशी सदिश नही है
(ए) विस्थापन
(बी) वेग
(सी) बल
(डी) आयतन

उत्तर 1.(सी) 2.(ए) 3.(ए) 4.(ए) 5.(डी) 6.(ए) 7.(ए) 8.(डी)

खबर संक्षेप

नलवा के लिए ऐतिहासिक साबित होगी रैली : रणधीर

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की 26 अक्टूबर को नलवा विधानसभा क्षेत्र में पनिहार फार्म हाउस पर आयोजित होने वाली धन्यवाद रैली को लेकर शुक्रवार को नलवा विधायक रणधीर पनिहार ने पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और प्रमुख समर्थकों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान विधायक ने अलग-अलग टीमों का गठन किया और प्रत्येक पदाधिकारी व कार्यकर्ता को विशेष जिम्मेदारियां सौंपीं।

संत महात्मा आनंद स्वामी की पुण्यतिथि मनाई

हिसार। शहर के दयानंद कॉलेज में आर्यसमाज के यशस्वी संत महात्मा आनंद स्वामी की पुण्यतिथि बड़ी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। यज्ञानुष्ठान से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य यजमान के रूप में प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने शिरकत की। प्राचार्य ने अपने संबोधन में महात्मा जी के सारगर्भित उपदेशों का जिक्र किया। शिक्षा, संस्कार, शिष्टाचार, साधना, सत्संग, सहयोग जैसे शब्दों को जीवन में उतारने की प्रेरणा महात्मा जी दिया करते थे।

एनसीसी कैडेट्स को किया जागरूक

हिसार। तृतीय हरियाणा कन्या बटालियन एनसीसी द्वारा 21 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 10 दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण शिविर हिन्दू पब्लिक स्कूल चौधरीवास में जारी है। हवलदार जगन ने कैडेट्स को लाइन कम्युनिकेशन और रेडियो कम्युनिकेशन के बारे में जानकारी दी। बैंक ऑफ इंडिया, चौधरीवास शाखा के प्रबंधक जगदीशचंद्र ने कैडेट्स को डिजिटल बैंकिंग के बारे में बताया तथा फेक कॉल के माध्यम से होने वाले धोखाधड़ी से सावधान रहने के लिए जागरूक किया।

'रिमोट सेंसिंग एंड इट्स एप्लीकेशन की दी जानकारी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की ओर से स्नातक एवं परास्नातक विद्यार्थियों के लिए एक विशेष विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। 'रिमोट सेंसिंग एंड इट्स एप्लीकेशंस' विषय पर हुए व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के भूभौतिकी विभाग अध्यक्ष प्रो. बीएस चौधरी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर के पहले सप्ताह तक बिजाई उचित

हकृवि की गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी कंपनी से करार

वैज्ञानिकों ने गेहूं की अगेती, पछेती व समय पर बिजाई की उन्नत किस्में विकसित की

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कंपनी के अधिकारियों के साथ। फोटो : हरिभूमि

डब्ल्यू एच 1402 किस्म की 100 दिन में बालियां निकलती तथा 147 दिन में पककर तैयार हो जाती, वहीं इसकी बालियां लंबी (14 सेंटीमीटर) व लाल रंग की है, जो 100 सेंटीमीटर ऊंचाई की है, इनके गिरने का खतरा न के बराबर होता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित की गई उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश में अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी क्षेत्र की कंपनी श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार उन्नत किस्मों के बीज विकसित किए जा रहे हैं ताकि किसानों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा गेहूं की अगेती, पछेती और समय पर बिजाई करने के लिए विभिन्न उन्नत किस्में विकसित की गई हैं।

इस कंपनी के साथ हुआ समझौता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की ओर से श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के निदेशक मलकीत सिंह वह गुरमीत सिंह ने हस्ताक्षर किए।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र मोर, गेहूं व कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. एमएस दलाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया उपस्थित रहे।

उपरोक्त किस्म की खासियत

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गेहूं की नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 की बिजाई का उचित समय अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह है तथा बीज की मात्रा 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म को दो पानी जिसमें पहला पानी बिजाई के 20-25 दिन बाद शिखर जड़ें निकलते समय व दूसरा पानी बिजाई के 80-85 दिन बाद बालियां निकलते समय देने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त किस्म की 100 दिन में बालियां निकलती है तथा 147 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की बालियां लंबी (14 सेंटीमीटर) व लाल रंग की है। इस किस्म की ऊंचाई 100 सेंटीमीटर है जिससे इसके गिरने का खतरा न के बराबर है। इसकी किस्म का दाना मोटा है। इसमें 11.3 प्रतिशत प्रोटीन, हेक्टोलीटर वेट (77.7 केजी/एचएल) लौह तत्व (37.6 पीपीएम), जिंक (37.8 पीपीएम) है। अतः पौष्टिकता के हिसाब से यह किस्म अच्छी है।

अदावा राशि के संबंध में खाताधारकों का सम्मान

हिसार। जागरूकता शिविर में उपस्थित नगराधीश हरिराम व अन्य अधिकारीगण।

■ आपकी पूंजी-आपका अधिकार अभियान को जागरुकता शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग द्वारा अक्टूबर से दिसंबर तिमाही के लिए शुरू किए गए आपकी पूंजी-आपका अधिकार विशेष जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिले में शुक्रवार को लघु सचिवालय के जिला सभागार में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगराधीश हरिराम द्वारा की गई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मंडल कार्यालय से पंजाब नेशनल बैंक के उपमहाप्रबंधक नरेश कुमार गर्ग उपस्थित रहे। उपमहाप्रबंधक नरेश कुमार गर्ग ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य विभिन्न बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों में पड़ी अदावा राशि के संबंध में खाताधारकों को जागरूक करना एवं उन्हें अपनी राशि प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने या अपने परिजनों के निष्क्रिय या अनक्लेम्ड खातों की जानकारी लेकर उचित प्रक्रिया के माध्यम से अपनी राशि का दावा करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे इस जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं, ताकि भारत सरकार के इस जनहितकारी अभियान को सफल बनाया जा सके।

100 प्रतिभागियों ने भाग लिया

एलडीएम विनोद कुमार सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अभियान की पृष्ठभूमि, उद्देश्य एवं महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। शिविर में जिले के विभिन्न बैंकों, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड एवं पेंशन फंड विभागों के अधिकारी, नियंत्रक अधिकारी सहित लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अभियान के तहत विभिन्न बैंकों के खाताधारकों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

नलवा धन्यवाद रैली के प्रति जनता में उत्साह: बिश्नोई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

कुलदीप बिश्नोई।

भिवानी एवं हिसार से सांसद रहे वरिष्ठ भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि 26 अक्टूबर को नलवा के पनिहार फार्म पर होने जा रही 'नलवा धन्यवाद रैली' क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी एवं प्रदेश सरकार का राज्य के चहुंमुखी विकास पर फोकस है। इसी कड़ी में नलवा विधानसभा क्षेत्र के लिए रैली में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की रूपरेखा पेश होगी। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि रैली की सफलता के लिए पूर्व विधायक रेनुका बिश्नोई, युवा नेता भव्य बिश्नोई एवं हमारे पारिवारिक सदस्य विधायक रणधीर पनिहार ने गांव-गांव जाकर लोगों को रैली में पहुंचने का निमंत्रण दिया है। रैली को लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। आम जनमानस में मुख्यमंत्री जी की कार्यप्रणाली के प्रति जबरदस्त सकारात्मक संदेश है। पिछले एक वर्ष में जिस प्रकार से राज्य के हर वर्ग और हर क्षेत्र के लिए उन्होंने घोषणाओं को सिरे चढ़ाया है, उससे लोगों में भाजपा सरकार के प्रति विश्वास और ज़्यादा मज़बूत हुआ है।

होली चाइल्ड के छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

■ देशभक्ति समूहगान में विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। स्कूल प्रबंध निदेशक आरएस सिंधु के साथ शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी।

शिक्षा के साथ-साथ खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों में शानदार प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता साबित कर दी है। हाल ही में बाल भवन में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए। इस उपलब्धि से न केवल विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के चेहरे खिले हुए हैं, बल्कि पूरे स्कूल में जश्न का माहौल है। स्कूल के प्रबंध निदेशक आरएस सिंधु व प्रिंसिपल अनीता पन्नू दलाल ने सभी विजयी विद्यार्थियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इन प्रतियोगिताओं में सबसे अधिक गौरव का क्षण तब आया, जब देशभक्ति समूह गान प्रतियोगिता में होली चाइल्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी मधुर आवाज और देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुति से प्रथम स्थान हासिल किया। इस विजयी टीम में मिष्टी , सिमरन, संजना, हिना , हिमांशी, आलोक, अमन व ललित शामिल थे। ज्ञान और बुद्धि का प्रदर्शन करने वाली क्विज में स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय देते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

किसानों से किए वादे को निभाएं सीएम: बृजलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

बृजलाल

कांग्रेस जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलुपरिया ने कहा कि 26 अक्टूबर को नलवा में रैली करने आ रहे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को किसानों से किए अपने वादे को याद करना चाहिए। उन्होंने कहा था कि दीपावली से पहले-पहले किसानों को उनकी खराब हुई फसलों का मुआवजा मिल जाएगा लेकिन आज तक किसानों को मुआवजा नहीं मिला है। ऐसे में अपनी सरकार की झूठी वाहवाही करने का क्या फायदा है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि नलवा, बरवाला, उकलाना, हांसी, नारनौंद, आदमपुर सहित हिसार जिले के सभी गांवों में बरसात के पानी ने कहर बरपाया था और किसानों की फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी हैं। प्रकृति की मार के बाद सरकार ने भी किसानों की कमर तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। किसानों को तुरंत उनकी फसलों का मुआवजा मिलना चाहिए था लेकिन अभी तक मुआवजा नहीं मिलना उनके साथ बड़ी नाइंसाफी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में गांवों में भी बाढ़ का पानी घुस गया था और लोगों के घरों को काफी नुकसान पहुंचा था सरकार ने उनकी भी सुध लेने की भी कोई कोशिश नहीं की।

स्कूल के चारों सदनों ने एक दूसरे से बेहतर होने का दिया परिचय

■ एसबीएस स्कूल माढा में विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

नारनौंद। छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए स्कूल के डायरेक्टर सुनील चहल व अन्य।

एसबीएस स्कूल माढा में विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें स्कूल के कक्षा छठी से बारहवीं तक के सभी सदनों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें चारों सदनों में सदन प्रगति से रमन, मुस्कान, आलोक, प्राची, सदन ज्योति से योगिता, सिया, दीक्षा, बबीता व सदन कीर्ति से भावना, खुशबू, गुरप्रीत, दीक्षा तथा सदन शक्ति से कीर्ति, रिया, गुरमीत, दीपिका विद्यार्थी विजेता रहे।

इसके बाद फाइनल राउंड में सदन शक्ति की छात्र कीर्ति, गुरमीत, दीपिका, रिया आदि ने पहले स्थान पर तथा सदन कीर्ति के भावना, खुशबू, गुरप्रीत, दीक्षा आदि विद्यार्थियों ने दूसरा स्थान हासिल किया। स्कूल डायरेक्टर डॉ. सुनील चहल ने बताया कि प्रतियोगिता विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ सके।

पूर्व चेयरमैन अपनी सारी संपत्ति लाडवा गोशाला में करेंगे दान

मरणोपरांत गोशाला की होगी संपत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

बलजीत सिंह।

गांव सरसौद निवासी पैक्स सरसौद के पूर्व चेयरमैन व समाजसेवी बलजीत सिंह ने दरिया दिली व बेमिसाल का परिचय देते हुए मरणोपरांत अपनी सारी संपत्ति लाडवा गोशाला मे दान करने का निर्णय लिया है।

पैक्स सरसौद के पूर्व चेयरमैन व समाजसेवी बलजीत सिंह ने बताया कि वे अविवाहित है। उन्होंने अपने वसीयतनामा में यह लिख कर दिया है कि जब तक वे जीवित है तब तक वे अपनी चल व अचल संपत्तियों के मालिक हैं। मरने के बाद उसकी सारी चल व अचल संपत्तियां और बैंक बैलेंस वगैरह सारा कुछ लाडवा गोशाला में दान हो जाएगा।

अगर उसकी मौत के बाद कोई भी शख्स दावेदार बनकर उसकी चल व अचल सम्पत्तियों व बैंक बैलेंस वगैरह का मालिक बनने का अदालत में मुकदमा दर्ज करता है तो उसका हरेक दावा अदालत में झूठा साबित होगा।

डीपीएस डाटा में हर्षोल्लास से मनाया भैयादूज, दिए उपहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी। भाई दूज पर्व पर अपने सहपाठी को मिठाई खिलाकर पर्व मनाती छात्रा।

डाटा पब्लिक स्कूल, डाटा में गुरुवार को विद्यार्थियों ने भाई दूज पर्व बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर इस पर्व को स्नेह, आनंद और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के साथ मनाया। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और आपसी प्रेम की भावना को सशक्त करना रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन डॉ. महिपाल यादव ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। और विद्यार्थियों को भाई दूज पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन विवेकानंद हाउस के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ सुमन यादव, ज्योति, आशु, राहुल, मनोज, सचिन, बबली सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

पात्र महिला लाडो लक्ष्मी योजना के लाभ से न रहे वंचित : डीसी

हिसार। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 1 नवंबर को हरियाणा दिवस पर पात्र महिलाओं को 2100 रुपये प्रति माह मिलना शुरू हो जाएंगे। यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है और जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि जिला की कोई भी पात्र महिला इस लाभ से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए गए दिशा निर्देशों के उपरांत उपायुक्त अनीश यादव ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए यह बात कही। उन्होंने निर्देश दिए कि अतिरिक्त स्टाफ की नियुक्ति कर उन्हें गांवों में भेजा जाए।

एसडीएम ने राजस्व तथा पंचायती राज विभाग के अधिकारियों की बैठक ली

मकानों के नुकसान की वेरीफिकेशन का कार्य जल्द पूर्ण कर भिजवाएं रिपोर्ट : खोथ

संबंधित अधिकारी तथा कर्मचारी शेष कार्य को आगामी दो से तीन दिन में पूरा करें: राजेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी। विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक की अध्यक्षता करते एसडीएम राजेश खोथ।

एसडीएम राजेश खोथ ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह बरसात के कारण मकानों को हुए नुकसान को लेकर प्राप्त आवेदनों के अनुसार चल रहे वेरिफिकेशन के कार्य को तेजी से पूरा करवाना सुनिश्चित करें। संयुक्त कार्यालय परिसर में शुक्रवार को आयोजित विकास एवं पंचायत, राजस्व तथा पंचायती राज विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने निर्देश देते हुए बरसात के कारण मकानों को हुए नुकसान को लेकर प्राप्त आवेदनों की ग्राम वाइज एक-एक कर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों के अनुसार वेरिफिकेशन का ज्यादातर कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जो कार्य शेष है उसे आगामी दो से तीन दिनों के अंदर पूरा करना सुनिश्चित करें और रिपोर्ट निर्धारित प्रपत्र में भरकर भिजवाएं।

लापरवाही नहीं होगी सहन

उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की देरी एवं लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। बैठक में सभी गांवों के पटवारी पटवारी, ग्राम सचिव तथा पंचायती राज विभाग के जेई मौजूद रहे। बैठक में तहसीलदार अनिल कुमार बिढान, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अशोक कुमार, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी बरवाला रोशन लाल तथा अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।

हांसी में जल्द स्थापित होगी लाइब्रेरी: एसडीएम

हांसी। हांसी शहर में जल्द ही आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक लाइब्रेरी स्थापित करवाई जाएगी। इस उपमंडल स्तरीय लाइब्रेरी की स्थापना से विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं तथा पुस्तक प्रेमियों को एक ही स्थान पर अध्ययन की उत्कृष्ट सुविधा प्राप्त होगी। पुरानी लाइब्रेरी को भी इस नई लाइब्रेरी में मिलाया जाएगा। एसडीएम राजेश खोथ ने शुक्रवार को संयुक्त कार्यालय परिसर में नवगठित उपमंडलीय लाइब्रेरी कमेटी के पदाधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी। बैठक के दौरान उन्होंने कमेटी के सदस्यों को निर्देश दिए कि हांसी शहर में लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए उपयुक्त भवन का शीघ्र चयन किया जाए। उन्होंने कहा कि भवन का चयन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि वहां लाइब्रेरी ऑफिस, रीडिंग रूम, महिला एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग शौचालय, प्रकाश और वेंटिलेशन जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। एसडीएम ने कहा कि यदि शहर में कोई उपयुक्त भवन उपलब्ध नहीं होता है, तो ऐसी स्थिति में संयुक्त कार्यालय परिसर में ही लाइब्रेरी स्थापित करवाने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। एसडीएम ने कमेटी को निर्देश दिए कि पुस्तकालय में ज्ञानवर्धक पुस्तकें, बच्चों के लिए साहित्य, विज्ञान, इतिहास, कला, तकनीकी, कृषि व सामाजिक विषयों से संबंधित सामग्री उपलब्ध करवाई जाए।

खबर संक्षेप

सट्टा खाईवाल करते नकदी के साथ काबू

हांसी। सीआईए पुलिस ने सरेआम सट्टा खाईवाल कर रहे एक आरोपी को 22,000 रुपये के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान उमरा निवासी जोगेंद्र के रूप में हुई है। सीआईए हांसी को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति हांसी अनाज मंडी में सरेआम सट्टा खाईवाल कर रहा है। सूचना पर टीम का गठन किया गया और टीम ने बताए गए मौके पर पहुंच आरोपी उमरा निवासी जोगेन्द्र को 22,000 रुपये सहित गिरफ्तार करके उसके पास से बरामद रुपयों को कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है।

शादी का झांसा देकर युवती का यौन शोषण

हिसार। पुलिस ने ब्यूटी पार्लर का काम करने वाली अनुसूचित जाति की युवती को शादी का झांसा देकर चार साल तक रेप करने के मामले में नामजद आलोक व एक अन्य पर केस दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने दो बार गर्भवती होने पर उसका गर्भपात भी करवा दिया। इसके अलावा उसके आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी देकर डेढ़ लाख रुपये भी वसूल लिए।

शिकायत पर मुख्यमंत्री उड़नदस्ता की टीम पहुंची जांच करने

बाढ़ बचाव प्रबंधों के नाम पर फर्जी कनेक्शन जारी

बिजली निगम अधिकारियों का कमाल

उपमंडल अभियंताओं को जांच में शामिल किया

उकलाना। जांच के लिए पहुंची उड़नदस्ता की टीम। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उकलाना मंडी

बाढ़ बचाव प्रबंधों के नाम पर बिजली निगम के अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में कुछ ढ़ाणियों को फर्जी ट्यूबवेल कनेक्शन दिए जाने का मामला सामने आया है। सूचना के बाद मुख्यमंत्री उड़नदस्ता की टीम जांच के लिए पहुंची तो विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि लगभग 20 से 25 उपमंडल अभियंता इस जांच में शामिल किए गए हैं।

बताया जा रहा है कि बिजली निगम ने बाढ़ व जलभराव प्रबंधों के नाम पर ढ़ाणियों को कनेक्शन जारी कर दिए। इसकी सूचना सरकार तक पहुंची तो मुख्यमंत्री उड़नदस्ता की टीम शुक्रवार को जांच के लिए क्षेत्र में पहुंच गई। गत माह हुई भारी वर्षा के बाद क्षेत्र के अनेक गांवों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इस दौरान व्यवस्था सुचारु करने के लिए बिजली विभाग को निर्देश दिए गए थे कि सिंचाई विभाग को अस्थायी ट्यूबवेल कनेक्शन जारी किए जाएं। बताया जा रहा है कि इस प्रक्रिया की आड़ में विभाग के अधिकारियों द्वारा ढाणियों को कुछ फर्जी ट्यूबवेल कनेक्शन जारी कर दिए गए। बताया जा रहा है कि बिजली निगम के अधिकारियों द्वारा ढ़ाणियों को फर्जी कनेक्शन जारी करने की सूचना सरकार तक पहुंच गई। इसी संबंध में मिली शिकायत के बाद मुख्यमंत्री उड़नदस्ता टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का अवलोकन किया। सूत्रों का कहना है कि लगभग 20 से 25 उपमंडल अभियंता इस जांच में शामिल किए गए हैं। टोहाना के कार्यकारी अभियंता कृष्ण कुमार को भी जांच टीम में जोड़ा गया है। जानकारी यह भी मिली है कि कुछ कनेक्शन ऐसे स्थानों पर जारी किए गए, जहां पानी पहुंचता ही नहीं। यही नहीं, कुछ स्थानों पर बिजली निगम द्वारा जारी सामान भी मौके पर नहीं मिला वहीं ट्यूबवेल भी मौजूद नहीं मिला। विभाग ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। सूत्रों का कहना है कि अगर जांच निष्पक्ष रूप से हुई, तो कई अधिकारी इस कार्रवाई की जद में आ सकते हैं।

जांच जारी है

जांच के लिए पहुंचे कार्यकारी अभियंता कृष्ण कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि जांच चल रही है अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। अधीक्षक अभियंता एसएस राय ने भी कहा कि जांच जारी है।

सद्भाव यात्रा उकलाना में पहुंची

नतीजे जनभावनाओं के अनुरूप नहीं : बृजेंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उकलाना

उकलाना। सद्भाव यात्रा में शामिल पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह व अन्य।

पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह द्वारा 5 अक्टूबर को दनोदा से शुरू की गई सद्भाव यात्रा शुक्रवार को उकलाना पहुंची। इस अवसर पर बृजेंद्र सिंह ने कहा कि हाल ही में हुए चुनावों में जनता बदलाव चाहती थी, लेकिन नतीजे जनभावनाओं के अनुरूप नहीं आए। इसके बाद विपक्ष लगभग नदारद हो गया था। उन्होंने कहा कि जनता चाहती है कि उनके मुद्दे फिर से उठे और प्रदेश में जो परिस्थितियां बनी हैं, उन्हें सुधारा जाए, इसी उद्देश्य से सद्भाव यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कई लोग केवल अपने स्वार्थ के लिए सक्रिय थे। कई लोगों का एजेंडा केवल यह था कि वे एमएलए बन जाएं या किसी पद पर पहुंच जाएं, लेकिन पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ। बृजेंद्र सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती के बिना कोई भी दल जनता के बीच प्रभावी नहीं रह सकता। कांग्रेस अब संगठनात्मक स्तर पर फिर से मजबूती से उभर रही है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विजय कौशिक, उदयवीर पूनिया, कुलजीत घनघस, देशराज, रामफल शर्मा, नरसिंह सेलवाल, करतार, सज्जन कुमार, बलबीर अजमेरा, सुभाष प्रभुवाला, महेंद्र पंचाल, प्रवीन गिल, पूनम, सुरेश बंसल, सुभाष बंसल, करण सिंह नैन, राजेश भूटानी और ईश्वर सरपंच शामिल रहे।

संत नामदेव जयंती की तैयारियां पूर्ण

हिसार। 26 अक्टूबर को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में होने वाले प्रदेश स्तरीय संत नामदेव जयंती समारोह की तैयारियां पूर्ण हो गई हैं। समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे, जबकि कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। शुक्रवार को रैली के संयोजक एवं पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा ने तैयारियों में लगे अधिकारियों के साथ आयोजन स्थल का दौरा किया।

चार बच्चों के पिता ने सल्फास खाकर आत्महत्या की

हिसार। एक युवती द्वारा शादी के लिए बार-बार दबाव डालने से परेशान होकर गांव पायल के रहने वाले 35 वर्षीय व्यक्ति ने सल्फास खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक अनिल कुमार चार बच्चों का पिता था। परिजनों के आरोपों पर पुलिस ने एक नामजद युवती पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल इस मामले में अभी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव पायल निवासी सुरेन्द्र ने बताया कि वह राजमिस्त्री का काम करता है। हम दो भाई हैं। मेरा बड़ा भाई अनिल शादीशुदा था। उसके चार बच्चे है। अनिल का रेखा नामक युवती के यहां आना-जाना था। आरोप है कि युवती उसके भाई पर जबरन शादी करने का दबाव बना रही थी। वह अपने फोन से अनिल के मोबाइल पर कॉल करके बार-बार शादी करने का दबाव डाल रही थी। युवती अन्य फोन नंबरों से भी कॉल करके दबाव बनाती थी। मेरा भाई अनिल पहले से शादीशुदा होने के कारण मना करता रहा। लेकिन फिर भी युवती अपनी आदतों से बाज नहीं आई। इसी दबाव के चलते अनिल शुक्रवार को तलवंडी रोड पर नशे की हालात में मिला। पता चलने पर उसे अपने घर पर ले गए। तब भाई ने हमें बताया कि उसने सल्फास की गोली खा ली है।

एमपी-एमएलए नहीं, उनको चुनकर भेजने वाले होते हैं बड़े : बीरेंद्र सिंह

जब सबकी भावना एक होगी तभी पार्टी मज़बूत बनेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उकलाना

उकलाना। पत्रकारों से बातचीत करते पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीरेंद्र सिंह ने पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा में कांग्रेस विधायक व सांसद न दिखाई देने पर कहा कि जनता ही सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि एमपी या एमएलए बड़ा नहीं होता, बल्कि जो लोग उन्हें चुनकर विधानसभा और लोकसभा में भेजते हैं, वे सबसे बड़े होते हैं। बीरेंद्र सिंह ने कहा कि वे इस मुहिम में बृजेंद्र सिंह का पूरा साथ दे रहे हैं और उनकी ताकत से आज यह यात्रा पूरे प्रदेश में लोगों तक पहुंच रही है। प्रदेश की राजनीति और कांग्रेस नेतृत्व पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज जनभावना के अनुरूप बदलाव हो रहा है और पार्टी का उद्देश्य सबको एकजुट कर मजबूत संगठन तैयार करना है। हमारी कोशिश है कि कांग्रेस में हर नेता, कार्यकर्ता और जनता की भावना एक हो। जब सबकी भावना एक होगी, तभी पार्टी मज़बूत बनेगी।

100 साल गुरु घर दे नाल महान गुरमत समागम का शुभारंभ

'बोले सो निहाल सत श्री अकाल' के लगे पावन जयकारे

अरदास के बाद गुरु घर में गुरु का लंगर अटूट बरतेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। गुरुद्वारा साहिब में श्री अखण्ड पाठ साहिब प्रारंभ करते हुए।

प्रबंधक कमेटी गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा नागोरी गेट द्वारा 100 साल गुरु घर दे नाल महान गुरमत समागम का शुक्रवार को गुरुद्वारा के प्रांगण में शुभारंभ हुआ। महान गुरमत समागम के उपलक्ष में गुरुद्वारा साहिब में गुरुघर से जुड़ी साध संगतों के बीच सरबत की भलाई के लिए अरदास करके बड़े हर्षोल्लास के साथ व 'बोले सो निहाल सत श्री आकाल' के पावन जय कारों के बीच श्री अखंडपाठ साहिब प्रारंभ किया गया। प्रबंधक कमेटी के प्रधान कर्म सिंह व प्रवक्ता सोनू खुराना ने बताया कि 100 साल गुरु घर दे नाल कार्यक्रम गुरु घर में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की हजूरी में श्री अखंड पाठ साहिब प्रारंभ हो गया है। 25 को रहरास साहिब पाठ होगा।

ये रहेगा कार्यक्रम

26 अक्टूबर को 10 बजे विधिवत रूप से श्री अखंड पाठ साहिब का भोग होगा। गुरुद्वारा के मुख्य ग्रंथि द्वारा सरबत की भलाई के लिए अरदास होगी। उसके उपरांत गुरु घर से जुड़ी बीवियां शब्द कीर्तन करेंगे व 11 से 12 बजे भाई कुलदीप सिंह जी शब्द कीर्तन करेंगे। दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक भाई चमन जीत सिंह (दिल्ली वाले) शब्द कीर्तन करेंगे। प्रबंधक कमेटी द्वारा गुरु घर से जुड़े सेवादारों को गुरु घर का सिरोपा भेंट किया जाएगा। अरदास के उपरांत गुरु घर में गुरु का लंगर अटूट बरतेगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर गुलजार सिंह काहलो, इंद्रजीत सिंह चावला, कुलविंदर सिंह गिल, राजू बाबा ट्रांसपोर्ट, हरजीत सिंह जीता, सुखविंदर सिंह, जसविंदर सिंह, परमिंदर सिंह, सोनू सिंह, महेंद्र सिंह, बलविंद्र सिंह, ललिता हंस, हरपाल सिंह दर्द ने मुख्य रूप से उपस्थित रहे।